विद्या विस्तार महायज्ञों में परिलक्षित होती युग के दिव्य प्रवाह की झाँकी

उत्तर जोन में विद्या विस्तार के लिए बढ़ती उमंग, उभरते संकल्प

विद्या विस्तार वर्ष के आरंभिक चरण में शांतिकुंज के वरिष्ठ प्रतिनिधि आदरणीय श्री वीरेश्वर उपाध्याय जी और उत्तर जोन के प्रभारी श्री सुखदेव शर्मा फ़ैज़ाबाद, अयोध्या, बस्ती, गोरखपुर, सुलतानपुर, प्रतापगढ़ एवं शाहजहाँपुर के संगठनात्मक प्रवास पर पहुँचे। प्रत्येक स्थान पर कार्यकर्त्ता गोष्ठियाँ सम्पन्न हुईं। परिजनों को विद्या विस्तार आयोजनों की सफलता के लिए उपयोगी सूत्र मिले।

फ़ैज़ाबाद की गोष्ठी में लगभग १५० कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। उन्हें संबोधित करते हुए आदरणीय श्री उपाध्याय जी ने कहा कि व्यक्ति के विचार उसके कर्म को दिशा देते हैं। यदि दिशा सही हो तो पुरुषार्थ सफल होता है और श्रेयाधिकारी बनाता है, अन्यथा साधना, प्रयास-पुरुषार्थ भी असफल होते देखे जाते हैं। हमारा सौभाग्य है कि हमारे पूज्य गुरुदेव ने समाज को हर प्रकार से मार्गदर्शन देने के लिए क्रांतिकारी विचार प्रचुर मात्रा में सहज सुलभ करा दिये हैं। यदि इन्हें समाज तक पहुँचाने में हम सफल हो जाते हैं, तो समाज में सद्विचार सम्पन्न श्रेष्ठ मानवों की फसल लहलहा उठेगी। हम पुस्तक विक्रेता नहीं, विचार विस्तारक हैं, यह बात हमें सदैव अपने मानस में रखनी होगी और उसके लिए सूझबूझ के साथ प्रयास करने होंगे।

इस गोष्ठी में सर्वश्री रामजी वर्मा, भगवान सिंह, एस.बी. सिंह, जगदीश उपाध्याय, डॉ. हरिवंश शुक्ल, श्रीमती मधु सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। वहाँ के जोनल कार्यालय में नये कम्प्यूटर कक्ष का उद्घाटन हुआ। गायत्री ज्ञान मंदिर साहित्य विस्तार पटल द्वारा एक नया ज्ञानरथ आरंभ करने का संकल्प उभरा।

गायत्री शक्तिपीठ **अयोध्या** पर भी कार्यकर्त्ता गोष्ठी आयोजित हुई। इसमें सभी स्थानीय मूर्धन्यों के अलावा पूर्व मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. हरिवंश शुक्ल भी उपस्थित थे।

बस्ती-नवचेतना विस्तार केन्द्र जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट शर्मा कॉलोनी, ओरी ज्योति में संत कबीर नगर एवं बस्ती जिले के १००० कार्यकर्त्ताओं का कार्यकर्त्ता सम्मेलन आयोजित हुआ। केन्द्रीय प्रतिनिधियों ने उन्हें वहाँ आयोजित हो रहे १०८ कुण्डीय यज्ञ के बड़े कार्यक्रम में अपनी सक्रियता की श्रेष्ठ श्रद्धांजलि लेकर पहुँचने की प्रेरणा दी। वहाँ प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित हो रहे पाँच कुण्डीय विद्या विस्तार यज्ञ आयोजन में न्यूनतम १०-१० विद्या विस्तार साहित्य सेट स्थापित करने का लक्ष्य रखते हुए आवश्यक साहित्य मंगा लिया गया है। समस्त कार्ययोजना को जिम्मेदार बनने और अपने संगठन को सशक्त बनाने का अभ्यास मानकर सक्रिय होने का आवाहन शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने किया।

बस्ती की संगोष्ठी में उपस्थित वरिष्ठ परिजनों ने शक्तिपीठ बस्ती को साधना एवं प्रशिक्षण केन्द्र बनाने का अनुमोदन किया। डॉ. हरिवंश शुक्ल, श्री रामचन्द्र शुक्ल ने सबके सम्मान एवं सहयोग से इस संकल्प को पूरा करने का आश्वासन दिया।

गोरखपुर में आयोजित गोष्ठी में २५० कार्यकर्त्ताओं ने उपजोन स्तर पर विद्या विस्तार यज्ञों के आयोजन के साथ निचलौल और बढ़नी में हो रहे विशाल १०८ कुण्डीय यज्ञों के संदर्भ में कार्ययोजना बनायी। गोष्ठी में कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज तथा सिद्धार्थ नगर के प्रमुख कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

सुल्तानपुर में हो रहे १०८ कुण्डीय यज्ञ में घर-घर विद्या विस्तार साहित्य सेट पहुँचाने की योजना है। गोष्ठी में २०० कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया और अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ पूरा करने का आश्वासन केन्द्रीय प्रतिनिधियों को दिया।

प्रतापगढ़ में विद्या विस्तार वर्ष की तैयारियों के अलावा क्षेत्रीय विकास की अन्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। शक्तिपीठ पर प्रवचन हॉल और आवासीय व्यवस्था के विस्तार का निर्णय लिया गया। महेशगंज में कर्नल त्रिपाठी ने अपने गाँव में कुटीर उद्योगों को आरंभ करने तथा प्रशिक्षण देने की योजना पर चर्चा की। पट्टी तहसील में बेहतर समन्वय-संगठन का वातावरण बना।

शाहजहाँपुर जिले ने विद्या विस्तार वर्ष में जन्म शताब्दी की तैयारियों के रूप में सक्रियता अपनायी है। शक्तिपीठ पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित २०० कार्यकर्त्ताओं ने पंचायत स्तर पर आयोजित हो रहे पंच कुण्डीय यज्ञ आयोजनों के लिए समयदान व श्रमदान के संकल्प लिए। श्रीमती उर्मिला सिंह, श्री मौर्य आदि ने समय की माँग के अनुरूप शक्तिपीठ पर कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण शिविर चलाकर नयी प्रतिभाओं को उभारने का वचन दिया। ◉

कलश यात्रा की नयनाभिराम झाँकी

बीकापुर, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)

मलेथू कनक, बीकापुर, फैजाबाद में २५-२६ अक्टूबर को विद्या विस्तार गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की भव्य कलश यात्रा में शामिल ३०० बहिन-भाइयों पर हजारों दर्शकों ने जिस उत्साह से पुष्प वर्षा की, युगनिर्माण आन्दोलन के स्वागत का वह दृश्य देखते ही बनता था।

गायत्री शक्तिपीठ अयोध्या के प्रतिनिधि श्री महेन्द्र सिंह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाग्य तथा ईश्वर का अनुदान-वरदान और कुछ नहीं, अपने ही कर्मों का फल है, अत: व्यक्ति को अपने कर्मों के परिष्कार पर सतत ध्यान देना चाहिए। कर्म के बीज हैं विचार। अत: अच्छे विचारों के निरंतर संपर्क में रहने वाला अपने लिए स्वर्ग का निर्माण करता रहता है।

दीपयज्ञ की दिव्य वेला में उन्होंने कहा कि मनुष्य की असली पहचान उनके गुणों से होती है। सेवा, दया, परोपकार जैसे सद्गुणों की साधना से ही व्यक्ति महान बनता है और अपने समाज का उपकार करते हुए अपना जीवन चिरस्मरणीय बनाता जाता है।

सत्संग एवं पंच कुण्डीय यज्ञ में तीन सौ लोगों की उपस्थिति बनी रही। १० लोगों ने गुरुदीक्षा ली। श्री संजय सिंह ने प्रज्ञा गीतों से जन मानस को प्रेरित किया। श्री वीरेन्द्र तिवारी दम्पती, रमेश कुमार, डॉ. सुजीत कुमार साहू, संदीप तिवारी, कृष्णकांत तिवारी आदि ने कार्यक्रम का संयोजन करते हुए स्थानीय लोगों को युग निर्माण आन्दोलन की धारा से जुड़ने का सुयोग दिलाया। ◉

प्रशिक्षित हुई समयदानियों की फौज

दुर्ग-भिलाई (छत्तीसगढ़)

उपजोन राजनांदगाँव के एक जिले-दुर्ग में इस वर्ष ३५१ ग्राम पंचायतों में पाँच कुण्डीय विद्या विस्तार गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हो रहे हैं। इनके संचालन के लिए कार्यकर्त्ताओं के प्रशिक्षण एवं टोली गठन के लिए गायत्री प्रज्ञा संस्थान कादम्बरी नगर, दुर्ग में २३ से २६ नवम्बर की तारीखों में एक शिविर आयोजित हुआ। धान की कटाई और मिसाई का समय होने के कारण आयोजकों को इसमें ५० से १०० कार्यकर्त्ताओं के ही भाग लेने की आशा थी, लेकिन समयदानियों का जो सैलाब उमड़ा, उसे देखकर वे स्वयं भी आश्चर्यचकित थे। कुल ३६८ कार्यकर्त्ताओं ने प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया और उनकी ७० टोलियाँ गठित की गयीं।

दुर्ग में प्रशिक्षण दे रही उपजोन की टोली

दुर्ग के प्रशिक्षण शिविर को सम्पन्न कराने डॉ. एस.एस. चंदेल, श्री शीतल सिंह राजपूत, श्री पवन द्विवेदी एवं श्री ओमप्रकाश राजपूत की टोली पहुँची। टोली के भावोत्पादक प्रशिक्षण ने प्रशिक्षणार्थियों में अपने समाज में सद्विचारों की क्रांति के लिए उमंग और उत्साह का ज्वार ला दिया। प्रत्येक आयोजन में कम से कम एक हजार रुपये मूल्य के साहित्य का वितरण, १० घरों में देवस्थापना, १० दीक्षा संस्कार एवं १०० साधकों से मंत्र लेखन कराने का लक्ष्य रखा गया है। शिविर के अंतिम दिन प्रांतीय समन्वयक डॉ. अरुण मढरिया एवं उपजोन प्रमुख श्री नंदकिशोर सुरजन ने भी कार्यकर्त्ताओं को संबोधित किया। यह शिविर सर्वश्री सत्यप्रकाश बंसल, विनीता तिवारी, धीरज टांक, बालमुकुंद शर्मा, टीकम सिंह चंद्राकर, राम स्वरूप साहू आदि के सेवा-सहयोग से बड़ी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)

गायत्री प्रज्ञापीठ लाइनपार पर विद्या विस्तार वर्ष के उपलक्ष्य में प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर संयोजिका डॉ. प्रेमवती उपाध्याय के अनुसार इसमें प्रशिक्षित कार्यकर्त्ताओं की ८ टोलियाँ बनाकर उन्हें अपने क्षेत्र में पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञों की शृंखला के संचालन के लिए भावभरी विदाई दी गयी। शांतिकुंज से पहुँची श्री सुखदेव शास्त्री एवं श्री मोहित कुमार की टोली ने प्रशिक्षणार्थियों को इस वर्ष के निर्धारित विषयों का अभ्यास कराया। प्रशिक्षुओं को सप्त आन्दोलन के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। ◉

युगऋषि की महानता पर नतमस्तक हुए महापौर

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

कानपुर-विकास नगर में २ से ४ नवम्बर की तारीखों ९ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विचार क्रांति सम्मेलन का शानदार आयोजन सम्पन्न हुआ। इसके दीप महायज्ञ के अवसर पर उपस्थित नगर महापौर श्री रवीन्द्र पाटनी ने अपने उद्बोधन में परम पूज्य गुरुदेव को युगऋषि के रूप में संबोधित करते हुए उन्हें इतिहास का वह अद्वितीय महापुरुष बताया, जिसने अल्प समय में ही सारे विश्व को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि युगऋषि पू. आचार्य जी ने देश ही नहीं विदेशों में भी गायत्री को जीवंत कर दिया है। इस मिशन में करोड़ों लोगों ने आस्था जताकर यह तो सिद्ध कर दिया है कि भारत देवों की आत्मा है।

इस महायज्ञ का संचालन शांतिकुंज से पहुँची श्री परमेश्वर साहू की टोली ने किया। कलश यात्रा में बच्चों द्वारा व्यसन-कुरीति विरोधी पोस्टर लेकर नारे लगाते चलना सभी के लिए प्रेरक और रोचक था। प्रात: का योग-व्यायाम सत्र स्वास्थ्य के लिए श्रमशील बनने की प्रेरणा के साथ सम्पन्न हुआ। सरल व्यायाम से ही लोगों ने असाधारण लाभ की अनुभूति की।

शांतिकुंज प्रतिनिधि ने यज्ञ को एक जीवन शैली बताया, जिससे पात्रता, स्वच्छता, संघ बद्धता एवं आत्मीयता का संचार होता है। कुरीतियों में जकड़े भटके देवताओं को झकझोरते हुए उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में गायत्रीमय सद्विचारों का प्रभातकाल दृष्टि गोचार हो रहा है। स्वर्गधरा पर आने के लिए बेचैन है। ऐसे में आप मोह निद्रा को छोड़कर कर्मयोगी बनिए। जो दिव्य सत्ता का यह संदेश सुनकर समय पर चेत जायेंगे, वे मालामाल हो जायेंगे, धन्य हो जायेंगे।

नगर महापौर श्री रवीन्द्र पाटनी ने अपने उद्बोधन में परम पूज्य गुरुदेव को युगऋषि के रूप में संबोधित करते हुए उन्हें इतिहास का वह अद्वितीय महापुरुष बताया, जिसने अल्प समय में ही सारे विश्व को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मिशन में करोड़ों लोगों ने आस्था जताकर यह तो सिद्ध कर दिया है कि भारत देवों की आत्मा है।

२४०० दीपयज्ञ की अध्यक्षता श्री पप्पू पाण्डेय सभासद ने की, नगर महापौर इसके मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने अध्यात्म का मर्म बताते हुए कहा कि सर्वत्र भगवान की पूजा नहीं, भगवान की खुशामद और चापलूसी का साम्राज्य है। पूजा का अर्थ है पात्रता और सद्गुणों का विकास। ईश्वर का पुजारी 'हम बदलेंगे-युग बदलेगा' के नारे पर विश्वास रखता है। इस अवसर पर प्रज्वलित दीपमालाएँ परोक्ष रूप से अंतस को प्रकाशित करने की प्रेरणा देती रहीं। दीपों ने कहा-वाणी और बौद्धिक विलास नहीं, कर्मयोगी बनिये, तो तमाम अभाव और दुर्भाग्य की तमिस्रा भाग जायेगी।

समापन वेला में सभासद श्री पप्पू पाण्डेय ने महापौर सहित सभी का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में सर्वश्री गोपी किशन गुप्त, जगदीश सिंह भदौरिया एडवोकेट एस.आर. वर्मा, बी.के. त्रिपाठी, राजेश वाजपेयी एवं श्री आनंद कुमार कंचन का सक्रिय योगदान रहा। ◉

कानपुर के विद्याविस्तार महायज्ञ में निकली कलश यात्रा की झाँकी

हर क्षेत्र में मिल रही है शानदार सफलता

जतारा, टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)

ग्राम टानगा (जतारा) स्थित गायत्री चरण पीठ पर ११ से १४ नवम्बर की तारीखों में सम्पन्न विद्या विस्तार गायत्री महायज्ञ अपने अभीष्ट उद्देश्यों की पूर्ति में पूरी तरह सफल रहा। इस महायज्ञ की उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं-

◈५१ विद्या विस्तार सेटों की स्थापना।

◈२४ साधकों द्वारा दो-दो वृक्ष लगाने के संकल्प।

◈१०८ लोगों ने गायत्री की दीक्षा ली। ८ मुण्डन, १० पुंसवन एवं २८ विद्यारंभ संस्कार भी हुए।

यह कार्यक्रम उपजोन प्रतिनिधि श्री आर.के. द्विवेदी की टोली ने सम्पन्न कराया। प्रयाज क्रम में ५०० विद्यार्थियों ने गायत्री मंत्र लेखन साधना एवं बड़ी संख्या में लोगों ने लघु अनुष्ठान किये। कार्यक्रम के प्रथम दिन अखण्ड जप हुआ। टानगा गाँव के सरपंच सहित ग्राम वासियों का सुंदर सहयोग रहा।

कैथल (हरियाणा)

विद्या विस्तार वर्ष के कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत कैथल से १५ किमी दूर एक नये क्षेत्र-पुण्डरी गाँव में प्रज्ञा आयोजन सम्पन्न हुआ। श्री लखनलाल जी की टोली ने अपने प्रथम प्रयास के बावजूद अच्छी सफलता प्राप्त करते हुए हजारों रुपये का युग साहित्य लोगों तक पहुँचाया। ६ लोगों के दीक्षा-यज्ञोपवीत संस्कार हुए और १५ घरों में ज्ञानघट की स्थापना हुई। सर्वश्री उमादत्त शास्त्री, सुलेखचंद, चरणदास, वीरभान, राठी जी, ब्रह्मप्रकाश शर्मा, कृष्णलाल बत्रा, योगेन्द्र शर्मा, सुभाष चन्द्र गोयल आदि ने युगयज्ञ में आहुतियाँ समर्पित कीं। ◉

संकल्प का अपना विज्ञान है; उसे कार्य का बीजारोपण कह सकते हैं। - परमपूज्य गुरुदेव